Seat No. : _____

TF-117-H

B. Com. (Sem. I)
May-2013

103 ACCOUNTANCY – I

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

(Hindi Version)

1. हिमतनगर के हरेश ने हैदराबाद के हिरेन को ता. 1-7-2012 को प्रति ₹ 2,400 की लागत कीमत वाली 200 टाइल्स की पेटियाँ लागत कीमत पर 22% लाभ चढ़ाकर बीजक कीमत से आढ़त से बेचने के लिए भेजी । माल भेजते समय हरेश ने निम्नानुसार खर्च चुकाये : **14**

बीमा ₹ 3,000, गाड़ीभाड़ा ₹ 6,000

हरेश ने ₹ 3,00,000 की चार मास की अवधि वाली हुंडी लिखकर भेजी, जिसे हिरेन ने स्वीकार कर वापस भेज दी । हरेश ने एक मास बाद यह हुंडी 18% की दर से भुना ली । हिरेन को कुल विक्रय पर 4% सामान्य कमीशन और उधार विक्रय पर 3% आसामी कमीशन दिया जाता है । रास्ते में 50 पेटियाँ सम्पूर्ण नष्ट हो गयी । उनसे कुछ भी प्राप्त नहीं हो सकता । बीमा कम्पनी ने ₹ 1,20,000 स्वीकृत किये । हिरेन ने ₹ 6,000 चुंगी के तथा ₹ 600 गाड़ी भाड़ा के चुकाये । ता. 31-12-2012 तक उसने विक्रय निम्नानुसार किया है :

40 पेटी ₹ 3,600 के भाव से रोकड़ से बेची । 30 पेटी ₹ 4,000 के भाव से उमेद को उदार बेची । 35 पेटी हरेश के कहने से उकेल को ₹ 3,800 के भाव से उधार बेची ।

उकेल के दिवालिया होने से उसके पास से 80% रकम ही वसूल हो सकी ।

उपर्युक्त जानकारी पर से हरेश की बही में आवश्यक खाते खोलिये और अंतिम स्टोक की गणना कीजिये ।

अथवा

(अ) 'बिक्री आंकड़े' (Account Sale) में आढ़तिया कौन-कौन सी जानकारी देता है ? उदाहरण देकर समझाइये । **7**

(ब) भद्रेश ने प्रत्येक ₹ 20,000 वाली 20 मशीनें आढ़त से बेचने के लिए विवेक को भेजी । माल भेजने पर ₹ 3,000 बीमा का और ₹ 2,000 गाड़ी भाड़ा का चुकाया । रास्ते में दो मशीनों को नुकसान हुआ । यह मशीनें प्रत्येक ₹ 12,000 के भाव से बेच दी तथा बीमा कम्पनी ने ₹ 10,000 का दावा स्वीकृत किया । आढ़तिया विवेक ने शेष मशीनों को प्राप्त किया और ₹ 2,000 चुंगी तथा ₹ 1,000 लारी भाड़ा का चुकाया । सभी मशीने विवेक ने प्रति ₹ 25,000 के भाव से बेच दी । बढ़ी हुई रकम बैंक ड्राफ्ट से भद्रेश को भेज दी ।

उपर्युक्त जानकारी पर से विवेक की बही में जरूरी जर्नल प्रविष्टियाँ लिखकर भद्रेश का खाता बनाइये । **7**

2. (अ) श्री हैदरभाई काकोशिया की हरीपुरा में एक शाखा है । वह लागत पर 10% चढ़ा कर शाखा को माल भेजता है । शाखा को प्राप्त सभी रोकड़ हरीपुरा में स्थित देना बैंक में मुख्य ऑफिस के खाते में जमा करायी जाती है । 7

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर मुख्य ऑफिस की बही में हरीपुरा शाखा का खाता तैयार कीजिये :

विवरण	**ता. 1/4/2011**	**ता. 1/4/2012**
	(₹)	**(₹)**
स्टोक बीजक कीमत पर	55,000	66,000
देनदार	40,000	35,000
फुटकर रोकड़ (Petty cash)	600	?
फर्नीचर	30,000	?

वर्ष 2011-12 के दौरान के व्यवहार निम्नानुसार हैं :

शाखा को वर्ष दौरान बीजक कीमत से ₹ 2,20,000 का माल भेजा है ।

शाखा ने इसमें से ₹ 7,700 का माल वापस किया है ।

शाखा ने ₹ 2,000 की डूबत ऋण अपलिखित की है ।

देनदारों ने ₹ 4,000 का माल वापस किया है ।

शाखा ने रोकड़ विक्रय ₹ 2,55,000 का किया है ।

कुल विक्रय ₹ 3,55,000 का किया है ।

फुटकर खर्च ₹ 3,500 हुए हैं ।

मुख्य ऑफिस ने शाखा को फुटकर खर्च के लिए ₹ 4,000 भेजे हैं ।

मुख्य ऑफिस ने शाखा के लिए भाड़ा का ₹ 6,000 वेतन के ₹ 20,000 तथा गाड़ी भाडा के और नूर का ₹ 6,000 चुकाया है । फर्नीचर पर 15% घिसाई गिनना है ।

अथवा

(अ) परतंत्र शाखा किसे कहते हैं ? इसके लक्षण समझाइये । परतंत्र शाखा के हिसाब किस प्रकार से लिखे जाते हैं, मुद्दासर समझाइये । 7

(ब) पाटन की परशुराम एजेन्सी बरवाला में एक स्वतंत्र शाखा रखती है । ता. 31-3-2012 को उनकी खाताबही में अंतिम शेष निम्नानुसार हैं : 7

बिक्री ₹ 2,20,000

लेनदार ₹ 4,000

मुख्य ऑफिस की जमा बाकी ₹ 1,20,000

प्रारंभिक स्टोक ₹ 70,000 और अंतिम स्टोक ₹ 36,000

फर्नीचर ₹ 35,000

देनदार ₹ 25,000

लेनी हुंडियाँ ₹ 16,000

कार्यालय खर्च ₹ 24,000

बैंक खाता ₹ 14,500

रोकड़ शेष ₹ 2,500

मोटर कार ₹ 45,000, मुख्य ऑफिस से प्राप्त माल ₹ 1,12,000

अतिरिक्त जानकारी : ₹ 16,000 का माल और ₹ 2,000 की रोकड़ मार्गस्थ है ।

उपरोक्त जानकारी पर से व्यापार खाता, लाभ-हानि खाता तथा स्थिति विवरण तैयार कीजिये ।

अथवा

(ब) शाखा के हिसाबों को स्टोक और देनदारों की पद्धति से लिखने की पद्धति समझाइये । **7**

3. (अ) दुष्यंत की बही में से निम्नलिखित जानकारी प्राप्त हुई है । इस जानकारी के आधार पर लेनदारों एवं देनदारों की अंतिम बाकियाँ ज्ञात कीजिये : **7**

लेनदारों की प्रारम्भिक बाकी ₹ 9,000, देनी हुंडी का प्रारम्भिक शेष ₹ 7,000, कुल शुद्ध खरीद ₹ 70,000, देनी हुंडी का अंतिम शेष ₹ 8,000, देनी हुंडी का चुकाया ₹ 10,000, खरीद माल वापसी ₹ 2,000, रोकड़ खरीदी ₹ 19,800, लेनदारों को चुकाया ₹ 34,800, प्राप्त बट्टा ₹ 1,200, देनदारों का प्रारम्भिक शेष ₹ 61,000, कुल शुद्ध विक्रय ₹ 2,80,000, लेनी हुंडी का प्रारम्भिक शेष ₹ 12,000, अंतिम बाकी ₹ 40,000, देनदारों से प्राप्त रोकड़ शेष ₹ 2,75,000, देनदारों को दिया बट्टा ₹ 5,000, स्वीकृत डूबत ऋण ₹ 3,500, देनदारों ने वापस किया माल ₹ 7,000, लेनीहुंडी के प्राप्त ₹ 3,000, रोकड़ बिक्री ₹ 50,000.

अथवा

(अ) एकहरा लेखा प्रणाली से लिखे हिसाब अधूरे क्यों कहलाते हैं ? सविस्तार समझाइये । **7**

(ब) श्री परेश त्रिवेदी की बही में से प्राप्त निम्नलिखित जानकारी पर से ता. 31-3-2013 को पूर्ण होते वर्ष के वार्षिक हिसाब तैयार कीजिये : **7**

सम्पत्ति – दायित्व	**1/4/2012**	**31/3/2013**
	(₹)	**(₹)**
स्टोक	30,000	40,000
देनदार	40,000	60,000
फर्नीचर	30,000	(?)
लेनदार	15,000	20,000
रोकड़ शेष	5,000	40,000

वर्ष दौरान के व्यवहार :

देनदारों के पास से प्राप्त रोकड़ ₹ 1,61,000

कार्यालय खर्च ₹ 48,000

वर्ष के प्रारंभ में अतिरिक्त पूँजी लाया ₹ 20,000

लेनदारों को चुकायी रकम ₹ 1,16,000

नकद आहरण ₹ 10,000

नकद विक्रय 60,000

नकद खरीद ₹ 42,000

देनदारों को दिया बट्टा ₹ 3,000

बिक्री माल वापसी ₹ 5,000

फर्नीचर पर घिसाई 15% वार्षिक

लेनदारों के पास से प्राप्त बट्टा ₹ 2,400

खरीद माल वापसी ₹ 3,000

डूबतऋण ₹ 4,000

अथवा

(ब) एक हरा लेखा प्रणाली एवं दोहरालेखा प्रणाली के बीच अंतर समझाइये । **7**

4. (अ) वार्षिक बिक्री और प्रमाणित बिक्री किसे कहते हैं ? सविस्तार समझाइये । **7**

अथवा

(अ) बीमा लिये माल का स्टोक आग से जलने पर बीमा कम्पनी के समक्ष दावा प्रस्तुत करने के लिए जले माल की कीमत किस प्रकार ज्ञात की जाती है ? समझाइये । **7**

(ब) श्री असारी ने आग के सभी नुकसानों के विरुद्ध पूर्ण बीमा लिया है । उसके मकान के अमुक भाग में आग लगी और बीमा कम्पनी ने निम्नानुसार ₹ 1,16,400 का दावा स्वीकृत किया :

प्लान्ट मशीन ₹ 30,000, मकान ₹ 42,000, नुकसानी स्टोक ₹ 18,000, नष्ट हुआ स्टोक (कीमत 50%) ₹ 10,800 ।

		₹	₹
परिणामी नुकसान :	कारीगरों को रोक कर रखने की चुकायी मजदूरी	4,200	
	अनुषांगिक खर्च	2,400	
	लाभ-हानि	9,000	15,600

नष्ट-हुए प्लान्ट व मशीन पुराने थे जिनकी सम्पूर्ण रकम अपलिखित की गयी । नयी मशीन नहीं खरीदना तैय किया क्योंकि अन्य मशीनें धंधा के लिए पर्याप्त थी । मकानों की मरम्मत ₹ 27,000 में करवाया । नुकसानी स्टोक पर ₹ 3,000 खर्च करने से पूर्ण कीमत में बेचा गया ।

आग के दावा का खाता तैयार कीजिये ।

अथवा

(ब) परिणामिक नुकसानी बीमा पॉलिसी किसे कहते हैं ? इसे समझाकर इसके लाभों का वर्णन कीजिये । **7**

5. निम्नलिखित उपप्रश्नों के एक से अधिक विकल्प दिये गये हैं । जरूरी गणना या आधार दर्शाकर सही विकल्प बताइये । (कोई **सात**) **14**

(1) आढ़तिया को प्राप्त माल में से उसने ₹ 60,000 का माल रोकड़ी, ₹ 36,400 का माल उधार, ₹ 16,500 का माल प्रेषक की सूचना से उधार बेचा । यदि उसको 5% आसामी और 3% सामान्य आढ़त मिलती हो तो सामान्य आढ़त ₹ _____ होगी ।

(A) 3,387

(B) 1,800

(C) 4,820

(D) 33,870

(2) आढ़तिया ने विज्ञापन के लिए आढ़त से प्राप्त माल में से ₹ 500 का माल नमूने के रूप में दिया हो, तो

(A) उसकी प्रविष्टि नहीं होगी ।

(B) विज्ञापन खाते उधार होगा ।

(C) आढतमाल खाता उधार होगा ।

(D) आढ़तमाल खाते उधार तथा जमा दोनों तरफ लिखेंगे ।

(3) स्वतंत्र शाखा के लिए मुख्य ऑफिस खाता

(A) पूँजी खाता जैसा है ।

(B) माल-सम्पत्ति खाता जैसा है ।

(C) उपज-खर्च खाता जैसा है ।

(D) लाभ-हानि खाता जैसा है ।

(4) मुख्य ऑफिस ने शाखा को वर्ष दौरान ₹ 15,000 फुटकर रोकड़ के लिए भेजा । वर्ष के प्रारंभ में फुटकर रोकड़ ₹ 2,400 और अंत में ₹ 2,000 थी, तो फुटकर खर्च :

(A) ₹ 2,400

(B) ₹ 15,400

(C) ₹ 14,800

(D) ₹ 15,000

(5) ता. 1-4-2012 को फर्नीचर की बाकी ₹ 2,00,000 है । यह फर्नीचर शाखा को ता. 1-7-2012 के रोज भेजा गया है । ता. 31-3-2013 के रोज 18% की दर से सीधी रेखा पद्धति से शाखा की बही में फर्नीचर की घिसाई कितनी होगी ?

(A) ₹ 36,000

(B) ₹ 18,000

(C) ₹ 27,000

(D) ₹ 1,73,000

(6) प्रारंभिक स्टोक ₹ 30,000, खरीद ₹ 1,80,000, अंतिम स्टोक ₹ 90,000, सकल लाभ बिक्री का 20% हो तो कुल बिक्री कितनी होगी ?

(A) ₹ 2,10,000

(B) ₹ 1,50,000

(C) ₹ 2,70,000

(D) ₹ 1,20,000

(7) यदि क्षतिपूर्ति अवधि 6 मास हो, प्रमाण बिक्री ₹ 40,000, वार्षिक बिक्री ₹ 1,00,000 और क्षतिपूर्ति अवधि में खोई बिक्री ₹ 16,000 हो, तो खोई बिक्री (Short Sales) कितनी होगी ?

(A) ₹ 24,000

(B) ₹ 60,000

(C) ₹ 84,000

(D) ₹ 1,20,000

(8) परिणामिक नुकसानी बीमा पॉलिसी में क्षतिपूर्ति की महत्तम अवधि _____ और न्यूनतम अवधि _____ होती है ।

(A) 12 मास

(B) 24 मास

(C) 3 मास

(D) 36 मास

(E) 30 मास

(9) आग का बीमा कौन सी सम्पत्ति पर रक्षण देता है ?

(A) वास्तविक सम्पत्ति

(B) अवास्तविक सम्पत्ति

(C) अदृश्य सम्पत्ति